प्रज्ञान

हिंदी पाठमाला

5

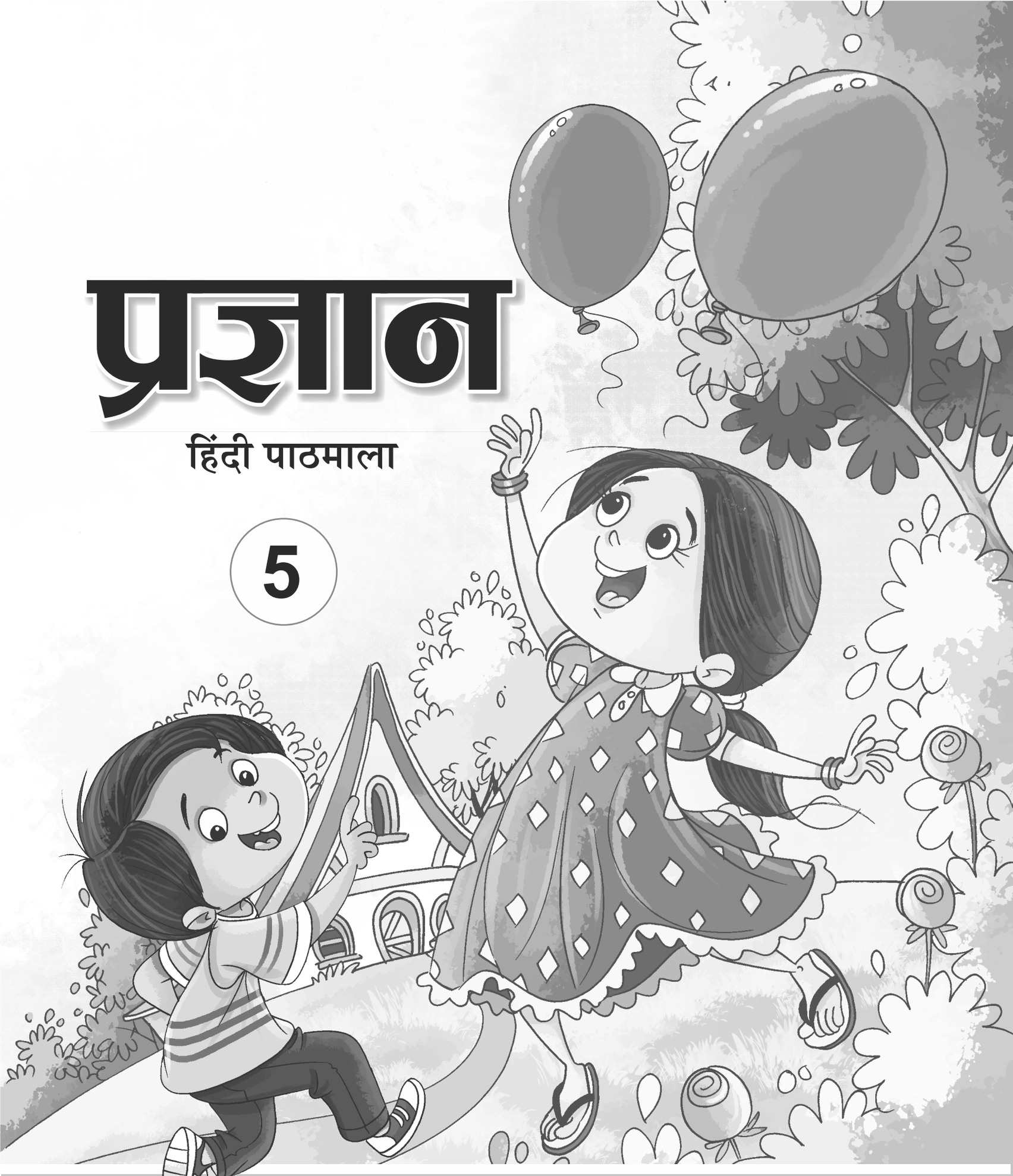

1. खिलौनेवाला

❒ **Worksheet**

1. (क) (ii) साड़ी (ख) (iii) मोटर गाड़ी (ग) (iii) कौशल्या
(घ) (i) मुन्नू (ङ) (iii) जंगल में

2. (क) एक (ख) खेल (ग) बाली (घ) मुन्नू (ङ) वन

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) 'टी सेट' छोटा-सा है।
(ख) मुन्नू ने गुड़िया ली।
(ग) साड़ी कपड़े वाला कभी-कभी दे जाता है।
(घ) बच्चा तलवार या तीर-कमान खरीदना चाहता है।
(ङ) बच्चा तोता, बिल्ली, मोटर, रेल आदि खिलौने नहीं लेना चाहता है।

5. (क) जब मम्मी-पापा मुझे डाँटते हैं या मेरा भाई मुझे टी०वी० नहीं देखने देता है।
(ख) माँ के अलावा घर में मेरे पिताजी और दादाजी हैं। दादाजी मुझे बहुत प्यार-दुलार देते हैं।
(ग) ऐसे त्योहारों में दशहरा मुख्य है। इस दिन राम ने रावण का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल की। उस दिन से हर साल यह त्योहार बड़े धूमधाम से पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है।
(घ) अपने माता-पिता के प्रति उनकी आज्ञाकारिता मुझे सबसे अच्छी लगी। इसके अतिरिक्त और भी कई गुण उनमें थे जो मुझे बहुत अच्छे लगते हैं, जैसे—उनका उच्च आदर्श, उनका त्याग, उनका धैर्य, उनकी कर्तव्यपरायणता आदि।
(ङ) (i) मैं रेलगाड़ी लेना पसंद करूँगी क्योंकि चलते समय इससे जो 'छुक-छुक' की आवाज निकलती है, वह मुझे बेहद अच्छी लगती है।
(ii) मैं अपने साथियों के साथ कबड्डी, लुका-छिपी, खो-खो, बैडमिन्टन आदि खेल खेलती हूँ।

6. (क) (i) पान—संज्ञा (ii) दिल्ली—संज्ञा
(iii) पाँच—विशेषण (iv) बोलना—क्रिया
(v) दाढ़ी—संज्ञा (vi) ऊपर—क्रिया-विशेषण
(vii) रात—संज्ञा।
(ख) इस वाक्य में 'में' अधिकरण कारक है।
(ग) इस वाक्य में 'माँ' संज्ञा है।
(घ) इस पंक्ति में 'हरा-हरा' विशेषण है।
(ङ) कारक—'में' अधिकरण कारक तथा 'को' कर्म कारक
क्रिया—यहाँ 'जा कर' और 'मारूँगा' वाक्य की क्रियाएँ हैं।
काल—भविष्य काल

7. (क) हमारे आदर्श ऊँचे होने चाहिए ताकि वे हमारे जीवन में मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत बन सकें। ऊँचे आदर्शों के पालन से समाज में सुधार होता है और व्यक्ति अपने लक्ष्य को पाने में सफलता प्राप्त करता है।

(ख) पारिवारिक और सामाजिक सम्बन्धों को बेहतर तरीके से निभाना हमारे जीवन में सुख और समृद्धि बढ़ा सकता है। ये हमारे साथियों के साथ प्रेम और संवेदना को भी बढ़ा सकता है जिससे हमारा जीवन अधिक समृद्ध और संतुलित हो। इससे हमारे परिवार और समाज में संवेदनशील और मधुर वातावरण बनता है।

8. (क) हाँ, हमने रामलीला देखी है।

(छात्र रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करने का अभ्यास करें।)

(ख) (i) राम कौशल्या और ताड़का—ये तीनों नाम रामायण की प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं।

(ii) बालक स्वयं को राम और अपनी माँ को कौशल्या के रूप में देखता है। लेकिन वह राम की तरह वन जाने को तैयार नहीं है बल्कि माँ कौशल्या के पास घर में रहना चाहता है।

(iii) वन में तपस्या करने वाले ऋषि-मुनियों को राक्षस परेशान करते थे। उनकी शांति भंग करते थे।

राम ने उन राक्षसों का वध किया जिसके बाद वे फिर से शांतिपूर्वक तपस्या करने लगे। राम ने अपने माता-पिता के आदेश पर एक आज्ञाकारी पुत्र की भाँति 14 वर्ष के लिए वन जाना स्वीकार कर लिया।

❑

2. नन्हा फनकार

❑ Worksheet

1. (क) (iii) 10 वर्ष (ख) (ii) गुजरात (ग) (iii) केशव
(घ) (ii) सलीम चिश्ती

2. (क) कौतूहल (ख) केशव (ग) सलीम (घ) सीकरी (ङ) मुस्करा

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) बादशाह के तीनों शहजादों नाम हैं—शहजादा सलीम, मुराद और दनियाल।

(ख) केशव ने कहा कि हमारे बादशाह बहुत ही नेक इंसान हैं।

(ग) अकबर ने खीझकर पहरेदार को वहाँ से जाने का इशारा करते हुए कहा, "ठीक है सिपाही! कुछ देर के लिए हमें अकेला छोड़ दो।"

(घ) अकबर ने केशव से कारीगरी सीखी।

(ङ) अकबर ने कहा मैंने भी तेरह साल की उम्र में एक लड़ाई में हिस्सा लिया था।

5. (क) अकबर को पहरेदार की दखलंदाजी इसलिए अच्छी नहीं लगी क्योंकि वे नन्हे केशव से इत्मीनान से बात करना चाहते थे और उसके हुनर के बारे में विस्तार से जानना चाहते थे।

(ख) यहाँ पर 'बड़े आदमी' से केशव का मतलब है किसी प्रतिष्ठित और प्रभावशाली आदमी से।

(ग) केशव को संदेह इसलिए हो रहा था क्योंकि उसके हिसाब से एक बादशाह के पास नक्काशी सीखने से भी ज्यादा कई महत्त्वपूर्ण कार्य होते हैं। उनके लिए वे कार्य करना अधिक जरूरी हैं।

(घ) इस उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक नहीं है क्योंकि यह उम्र पढ़ने-लिखने और खेलने-कूदने की होती है। इतनी कम उम्र से काम में लग जाने के कारण उनका मानसिक और शारीरिक विकास कुंठित हो जाता है। अत: उन्हें पढ़ने का समुचित अवसर अवश्य मिलना चाहिए।

(ङ) केशव सबसे यही कहता होगा—''आज बादशाह अकबर मेरे पास आए थे। उन्होंने मेरे काम की बहुत तारीफ की। उन्होंने मुझे नक्काशी का काम सिखाने को कहा। मुझे बादशाह की ऐसी इच्छा पर हैरानी हुई। फिर भी मैंने उन्हें बहुत अच्छे से नक्काशी का काम सिखाया। सीखने के दौरान उन्होंने मुझे 'जी हुजुर' भी कहा। उन्होंने मुझसे काम जारी रखने को कहा ताकि कारखाने खुलने पर वे मुझे काम पर रख सकें। वे मुझसे बहुत प्रभावित थे।''

6. (क)

संज्ञा	**क्रिया**	**वाक्य प्रयोग**
चुनाव	चुनना	आज वर्ग शिक्षिका ने मॉनिटर का चुनाव किया।
पड़ाव	पड़ना	अगले पड़ाव पर मेरा घर है।
बहाव	बहना	पानी का बहाव तेज है।
लगाव	लगना	माता-पिता को अपनी संतान से बहुत लगाव होता है।

(ख) **फुसफुसाना**—धीरे-धीरे बोलना या कोई बात कहना। उसने फुसफुसाकर मेरे कान में अपनी गलती के बारे में बताया।

बड़बड़ाना—गुस्से या क्रोध में कुछ-कुछ बोलना। नौकर से गलती होने पर दादाजी बड़बड़ाने लगते हैं।

भुनभुनाना—धीरे-धीरे जली-कटी सुनाना। स्पष्ट बोलो, भुनभुनाओ नहीं।

(ग) **माथा ठनकना**—आशंका होना, संशय होना।

वाक्य प्रयोग—हमारे चाचा जी जब हमारे घर आए तो हमारा माथा ठनक गया और उन्होंने अगले ही दिन घर के बँटवारे की बात कर दी।

(घ) इस वाक्य में 'मगर' समुच्चयबोधक है और 'में' अधिकरण कारक तथा 'कि' संबंध कारक है।

(ङ) विस्मयादिबोधक वाक्य।

(च) इस वाक्य में भूतकाल है।

7. (क) महान लोग अपने अनुयायियों के प्रति उदार व्यवहार करते हैं क्योंकि यह सामाजिक सद्भावना, सहभागिता और सामंजस्य में मदद कर सकता है, जिससे समृद्धि और समर्थन मिलता है।

(ख) स्वयं पर विश्वास होना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको समस्त चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है और स्वयं को बेहतर रूप से समर्थ महसूस करने का माध्यम बनता है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) सामान्य तौर पर ऐसा करने का एक ही कारण होता है—रोजगार की प्राप्ति। इसके अलावा जो कारण होते हैं, वे हैं—उच्च शिक्षा की प्राप्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं की प्राप्ति आदि।

9. (क) **बढ़ईगिरी में प्रयोग होने वाले औजार—**

आरी—(लकड़ी काटने के लिए)

हथौड़ा—(कील ठोकने के लिए)

रंदा—(लक्सी घिसने के लिए)

(ख) छात्र स्वयं करें।

(ग) छात्र स्वयं करें। ❑

3. जहाँ चाह वहाँ राह

❑ Worksheet

1. (क) (i) पंद्रह-सोलह साल

(ख) (ii) बादामी

(ग) (iii) नाना के

(घ) (iii) हाथ

(ङ) (ii) दसवीं

(च) (iii) लिखने की गति धीमी होने के कारण यह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।

2. (क) गाने (ख) पारंपरिक (ग) परेशानियों

(घ) हिम्मत (ङ) धप्पा

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (iii)

4. (क) डंडियों को कांथा से उभारा था।

(ख) इला की माँ और दादी कशीदाकारी करती थीं।

(ग) इला गुजरात के सूरत जिले में रहती थी।

(घ) इला अपने पैरों से दाल-भात खाना, दूसरों के बाल बनाना, फर्श बुहारना, कपड़े धोना, तरकारी काटना यहाँ तक कि तख्ती पर लिखना भी करती थी।

(ङ) इला का पूरा नाम इला सचानी था।

5. (क) इला या इला जैसी कोई लड़की यदि मेरी कक्षा में दाखिला लेती तो मेरे मन में तरह-तरह के प्रश्न उठते, जैसे—

वह कपड़े कैसे पहनती होगी?

वह कैसे खाती होगी?
वह अपना गृहकार्य कैसे करती होगी?
वह अपने बाल कैसे संवारती होगी?
कहीं खुजली होने पर वह कैसे खुजलाती होगी?

(ख) उसे अपना स्कूल बैग ढ़ोने में, लिखने में, बेंच अगर सीधा नहीं है तो उसे सीधा करने में, अपनी कक्षा के साथियों के साथ झूला आदि झूलने में परेशानी आएगी।

(ग) उसे इन कामों में परेशानी न हो, इसके लिए हम विद्यालय में कुछ सहायक नियुक्त कर सकते हैं, जो सभी कामों में इला जैसी छात्राओं की सहायता करें।

(घ) स्कूल वाले उसकी सुरक्षा और उसके काम करने की गति को लेकर अर्थात् उसकी अपंगता को लेकर चिंतित थे। उनका चिंता करना कुछ हद तक सही था, कुछ हद तक नहीं। जहाँ तक उसकी सुरक्षा संबंधी चिंता थी, वह तो सही था लेकिन उसकी अपंगता को लेकर चिंतित होना सही नहीं था क्योंकि इला कोई भी काम इतनी फुर्ती से करती थी कि देखने वाले दंग रह जाते थे।

(ङ) इला की कशीदाकारी में काठियावाड़ के साथ-साथ लखनऊ और बंगाल की भी झलक थी। उसने काठियावाड़ी टाँकों के साथ-साथ और कई टाँके भी इस्तेमाल किए थे। पत्तियों को चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। पशु-पक्षियों की ज्यामितीय आकृतियों को कसूती और जंजीर से उठा रखा था।

(च) यदि इला के आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते तो वह अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना नहीं सीख पाती।

6. (क) **बागबानी :** क्यारी बनाना, खुरपी, पौधे
पतंगबाजी : पतंग, चरखी, पतंग उड़ाना

(ख) **सर्वनाम**—'उसकी'
संज्ञा—'माँ' और 'दादी'
वाक्य का प्रकार—यह संयुक्त वाक्य है।

(ग) इस वाक्य में 'के' संबंध कारक है।

(घ) वाक्य में 'बादामी' एक विशेषण है, जो मलमली धोती के रंग की विशेषता को बताता है।

7. (क) विकट परिस्थितियों में भी व्यक्ति अपनी सामर्थ्य और संघर्षशीलता के साथ रास्ता बना लेता है। उसकी सकारात्मक सोच और समर्पण की मेहनत से वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में सफलता प्राप्त करता है।

(ख) अपने पर विश्वास को हृदय में उत्साह और उमंग में बदलने के लिए सकारात्मक सोच, स्वयं को स्वीकृति देना और स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली को

अपनाना महत्त्वपूर्ण है। आत्म-समर्पण, निष्ठा और संघर्षशीलता के साथ काम करना भी आत्मविश्वास को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इस प्रकार हम अपने आप को अद्‌भुत बनाते हैं।

8. (क) कंकड़बाग
पटना
दिनांक 5 जनवरी, 2024
प्रिय इला
जब पहली बार मैंने तुम्हें देखा तो मुझे लगा कि तुम अपने सारे काम किसी दूसरे से करवाती होगी। लेकिन अब तो मुझे तुम पर गर्व होता है। तुम आत्मविश्वास से भरी हो। तुम अपनी अपंगता को अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति पर कभी हावी नहीं होने देती। हाथ नहीं होने के बावजूद तुमने कशीदाकारी जैसी मुश्किल कला में निपुणता हासिल कर ली। यह वाकई बेमिसाल है। हम हाथ वाले भी ऐसा काम नहीं कर पाते। तुम मेरे लिए ही नहीं बल्कि सबके लिए प्रेरणा की स्रोत हो। भगवान तुम्हारे आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति को बनाए रखे और तुम सफलता पर सफलता हासिल करती जाओ। इन्हीं कामनाओं के साथ।
तुम्हारा/तुम्हारी
नेहा

(ख)

टाँका	बूटियाँ	कशीदाकारी	भरवाँ टाँके
कांथा	बेल-बूटे	चिकनकारी	जंजीर

❑

4. चिट्‌ठी का सफर

❑ Worksheet

1. (क) (iii) 15 अगस्त, 1972 (ख) (i) 6
(ग) (iii) हरकारे (घ) (ii) उड़ीसा (ङ) (ii) 15-20 साल

2. (क) भौगोलिक (ख) अंक (ग) कबूतरों (घ) प्रजातियाँ
(ङ) ग्रे-नेक

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

4. (क) हूमर कबूतर 8-10 साल तक बहुत अच्छा काम करते हैं।
(ख) कबूतर दूसरे विश्व युद्ध में संदेश पहुँचाता था।
(ग) पिनकोड का अर्थ है—पोस्टल इंडेक्स नंबर (Postal Indext Number)।
(घ) जम्मू-कश्मीर के लद्‌दाख खंड में पदम (जंस्कार) जैसी कई जगह है जहाँ हरकारे डाक पहुँचाते हैं।

5. (क) गांधीजी भारत में ही नहीं विदेशों में भी प्रसिद्ध थे। उनके बारे में सभी को पता होता था कि वे किसी खास समय में किस स्थान पर हैं। इस कारण उनको सिर्फ उनके नाम और देश के नाम के सहारे पत्र पहुँच गया है।

(ख) नहीं, अगर एक पत्र में पते के साथ किसी का नाम न हो तो पत्र ठीक जगह पर नहीं पहुँच पाएगा।

(ग) नाम न होने से डाकिए को यह पता करने में थोड़े मुश्किल होती है कि पत्र किसका है और हो सकता है उस आदमी की जगह किसी और के हाथ में पत्र पहुँच जाए।

(घ) पैदल हरकारों को हर तरह की जगहों पर पहुँचना होता था। उन्हें डाक की रक्षा भी करनी होती थी। डाकू, लुटेरों या जंगली जानवरों की चपेट में आने का डर हमेशा बना रहता था।

6. (क) **काल**—भूतकाल
कारक—'में' अधिकरण कारक तथा 'के' संबंध कारक

(ख) **वाक्य का प्रकार**—यह मिश्रित वाक्य है।
समुच्चयबोधक शब्द—'कि'

(ग) **'दुर्गम' शब्द का अर्थ**—जहाँ पहुँचना कठिन हो।

(घ) **लिंग**—कबूतर (पुल्लिंग)
सर्वनाम—'इस'

(ङ) 'गिरहबाज' शब्द में 'गिरह' मूल है और 'बाज' प्रत्यय है।

7. (क) हाँ, मैं सहमत हूँ कि पत्र या संदेश हमारी मानवता के परिचायक हो सकते हैं और उनमें संवेदनशीलता का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है।

(ख) पक्षी हमारे प्राकृतिक परिवार का हिस्सा हैं और उनके विभिन्न रूपों का अध्ययन हमें जल, हवा और पर्यावरण संरक्षण की महत्त्वपूर्ण सीख देता है। उनका संरक्षण हमारी भूमि के संतुलन को बनाये रखने में मदद कर सकता है और विभिन्न प्रजातियों की संरक्षण में मदद कर सकता है। बहुत पुराने समय में पक्षियों (कबूतरों) के द्वारा संदेश भेजे जाते थे।

8. (क) (i) पत्र हमारी बहन ने लिखा।
(ii) पत्र हमारी दादी के लिए लिखा।
(iii) यह पत्र 5 जनवरी, 2024 को लिखा।
(iv) यह पत्र गोविन्दपुर डाकखाने में 7 जनवरी, 2024 को पहुँचा।
(v) यह उत्तर हमें पत्र को देखकर पता चला।

(ख) **पोस्टकार्ड**—पचास पैसे
अंतर्देशीय पत्र—चार-पाँच रुपए
लिफाफा—पाँच रुपए

(ग) छात्र स्वयं करें।

9. (क) किसी सन्देश को दूर तक या बहुत-से लोगों तक पहुँचाने की क्रिया या प्रणाली, कम्युनिकेशन पाठ के संदर्भ में ठीक है।

(ख) शब्दकोश में दिए गए शब्दों के साथ उसका अर्थ, वाक्य प्रयोग, लिंग, वचन, पुरुष आदि व्याकरण जानने वाले भागों की जानकारी दी गई होती है।

❑

5. डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की जुबानी

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) 3 (ख) (iii) 17 (ग) (i) 500 रुपये
(घ) (ii) 6 बजे (ङ) (i) 5 रुपये

2. (क) पाँच (ख) चार (ग) डाक (घ) छोटे

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (iii) (घ) (i)

4. (क) कँवरसिंह हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव का रहने वाला था।

(ख) कँवरसिंह ने हिमाचल के लाहौल स्पीति जिले के किब्बर गाँव में तीन साल तक नौकरी की। यह हिमाचल का सबसे ऊँचा गाँव था।

(ग) कँवरसिंह पर हमला 29 जनवरी, 1998 को हुआ।

(घ) कँवरसिंह को 'बैस्ट पोस्टमैन' का इनाम सन् 2004 में मिला।

(ङ) पुराने डाकियों पर काम का बोझ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

5. (क) डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्टरी-पत्र, पार्सल, बिल, बूढ़े लोगों की पेंशन आदि बाँटने गाँव-गाँव जाना पड़ता है।

(ख) कँवरसिंह को अपनी नौकरी में बहुत मजा आता था क्योंकि इस नौकरी की बदौलत उसे मनीऑर्डर पहुँचाने पर, रिजल्ट या नियुक्ति पत्र पहुँचाने पर, पेंशन पहुँचाने पर लोगों का खुशी भरा चेहरा देखने को मिलता था।

(ग) भारतीय डाक सेवा की विशेषता यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सस्ती डाक सेवा है।

6. (क) **संज्ञा**—डाकिए तथा गाँव
कारक—'में' अधिकरण कारक तथा 'का' संबंध कारक

(ख) **विशेषण**—सबसे ऊँचा
कारक—'का- संबंध कारक

(ग) **इम्तिहान शब्द का अर्थ**—किसी की योग्यता या ज्ञान को परखने के लिए उससे प्रश्न पूछने की क्रिया।

7. (क) रोजगार हमारी आत्म-समर्पण, विकास और समृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे हमें आत्मनिर्भरता मिलती है और समाज में योगदान का अवसर प्राप्त होता है। रोजगार की सही दिशा में जिम्मेदारी लेना सकारात्मक

उत्साह और कर्त्तव्यभावना को बढ़ावा देता है जो व्यक्ति को व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर उन्नति की दिशा में मदद करता है।

(ख) दूसरों को खुशी देना हमें इंसानियत और संबंधों के महत्त्व का अनुभव करने का अवसर देता है। यह हमारे आत्मिक संतुलन और सामाजिक साथी के साथ मेल-जोल को मजबूत करता है और एक साझा अनुभव के माध्यम से हमें आनंदित बनाता है। दूसरों की खुशी से हमें एक समृद्धि भावना और सहानुभूति की भावना भी होती है जो हमारी आत्मा को अर्थपूर्णता महसूस कराती है।

8. (क) शहरों में डाकिए चारों दिशाओं में तैयार रहते हैं, पैसेंजर वाहनों, साइकिल या कदमों का इस्तेमाल करके डाक बाँटते हैं। ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में डाक का बँटवारा अधिक तंतुमय होता है और डिजिटल साधनों का भी उपयोग किया जाता है, जिससे कार्य प्रभावी रूप से होता है। शहरी क्षेत्रों में तकनीकी सुधारों का अधिक उपयोग होता है; जैसे—फोन, मोबाइल, ई-मेल वगैरह।

(ख) **ग्रामीण क्षेत्र**—

(i) ग्रामीण क्षेत्र में डाकिए चारों दिशाओं में तैयार रहते हैं और कई किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर करते हैं।

(ii) उन्हें गाँव वालों के साथ मिलकर रिश्ते बनाये रखना आवश्यक है, ताकि वे लोगों की जरूरतों को ठीक से समझ सकें।

शहरी क्षेत्र—

(i) शहरों में डाकिए अक्सर मोटर साइकिल या वाहनों का प्रयोग करते हैं। जिससे डाक बाँटना तेजी से होता है।

(ii) शहरी क्षेत्रों में डाकिए अक्सर संदेशों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भी बाँटते हैं। जोकि स्थानीय लोगों तक त्वरित तरीके से पहुँच सकते हैं।

❑

6. पढ़क्कू की सूझ

❑ Worksheet

1. (क) (iii) तर्कशास्त्र (ख) (iii) घंटी की आवाज से (ग) (ii) मालिक

2.

सुनार	जेवर	कवि	कविता
लुहार	लोहे की चीज	कुम्हार	मिट्टी के बर्तन
ठठेरा	बर्तन	लेखक	कहानी, लेख

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

4. (क) पढ़क्कू नहीं समझ पाया कि बैल बिन चलाए कैसे कोल्हू में घूमता है।

(ख) पढ़क्कू मालिक को कहते हैं कि 'तुम सदा रहे कोरे।'

(ग) बैल हमारा अभी तक मंतिख नहीं पढ़ पाया है।

(घ) इस कविता के रचयिता रामधारी सिंह दिनकर हैं।

5. (क) अगर किसी दिन बैल सोच-समझ अड़ जाता और चलता नहीं तो मालिक को साँझ तक बूँद भर तेल नहीं मिल पाता।

(ख) पढ़क्कू एक व्यक्ति था। वह तर्कशास्त्र पढ़ता था। उसका ज्ञान ऐसा था कि जहाँ कोई भी बात न होती, वहाँ भी नई बात गढ़ लेता था।

(ग) मालिक को बैल के स्वभाव का ज्ञान था।

6. (क) (i) मगर शाम तक तुम एक बूँद तेल भी नहीं पा सकोगे।

(ii) हमारा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है।

(iii) इसने बैल को निश्चय ही कोई तरकीब सूझा रखी है।

(iv) जहाँ कोई भी बात नहीं, वहाँ भी नई बात बना लेते थे।

(ख) (i) **दिन-रात एक करना**—वार्षिक परीक्षा में अव्वल अंक पाने के लिए सोनिया ने दिन-रात एक कर दिया।

(ii) **पसीना बहाना**—हमारे किसान खेतों में पसीना बहाकर फसल उगाते हैं।

(iii) **एड़ी-चोटी का जोर लगाना**—सफलता उन्हें ही मिलती है जो एड़ी-चोटी का जोर लगाते हैं।

7. (क) किसी भी प्राणी का दुरुपयोग करना नैतिकता, इंसानियत और पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांतों के खिलाफ है। सभी प्राणियों की संजीवनी रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका है और उनका सम्मान करना चाहिए।

(ख) पढ़े-लिखे होना और वास्तविक समझ में अंतर होता है क्योंकि पढ़ाई से केवल जानकारी प्राप्त होती है, जबकि वास्तविक समझ में व्यक्ति उस जानकारी को सार्थक रूप से समझता है और उसे अपने जीवन में उपयोग करने में सक्षम होता है। इस कविता में पढ़क्कू केवल नई-नई बातें गढ़ता था जबकि मालिक को कोल्हू कैसे चलाना है इसकी समझ थी।

8. (क) हमारे घर के आस-पास एक छोटा-सा उद्योग एक स्वदेशी अन्न सेंटर है जो स्थानीय बाजार में स्वदेशी और स्वादिष्ट आहार पदार्थों का प्रबंधन करता है। इस सेंटर का स्थानीय बाजारों में सुविधाजनक स्थान है। यह उद्योग स्थानीय किसानों और उद्यमियों के साथ मिलकर स्थानीय समुदाय का विकास कर रहा है। इस उद्योग ने स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं।

(ख) गाय, बैल, भैंस, कुत्ता आदि प्राणियों के व्यवहार और मानव व्यवहार में अंतर—

(i) गाय, बैल, भैंस, कुत्ता सामूहिक प्राणियों में आते हैं और सामूहिकता में रहकर जीवन-यापन करते हैं। मानव की सामाजिक संरचना विविध होती है। इसमें भिन्न-भिन्न समूह, संबंध और रुचियाँ हो सकती हैं।

(ii) गाय, बैल, भैंस और कुत्ते अधिकतर भाषा के बिना होते हैं और उनका सामूहिक संबंध संकेतों के माध्यम से होता है। मानव भाषा का उपयोग करके विचार-विमर्श कर सकता है और विविध तरीकों से संवाद कर सकता है।

(iii) प्राणियों की बुद्धिमत्ता अधिकतर उनके पर्यावरण और प्राकृतिक संबंधों के आधार पर होती है। मानव ने अपने सांस्कृतिक विकास के दौरान उपकरणों का उपयोग करके अपनी स्वयं की आवश्यकताओं को पूरा करने का कौशल विकसित किया है।

(ग)

ढब	=	तरीका
भेद	=	राज़
गज़ब	=	कमाल
मंतिख	=	तर्कशास्त्र
छल	=	धोखा

त	र्क	शा	स्त्र	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

❑

7. वे दिन भी क्या दिन थे

❑ Worksheet

1. (क) (ii) 17 मई सन् 2155 (ख) (iii) रोहित
(ग) (iv) रोहित ने (घ) (i) मशीनी

2. (क) मशीन (ख) पढ़ना (ग) रोहित (घ) भूगोल

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) रोहित मुस्कराते हुए उसकी बातें सुन रहा था।
(ख) कुम्मी के मन में उत्सुकता जगी बोली, ''फिर भी उनके यहाँ मशीन के बने अध्यापक तो होते ही होंगे?''
(ग) कुम्मी ने प्रश्न किया, ''स्कूल, उसके विषय में लिखने को है ही क्या?''
(घ) अपनी माँ की आवाज सुनकर कुम्मी बोली, ''लगता है सबक का समय हो गया है।''

5. (क) वे ही पुस्तकें बर्बाद होती हैं जिन्हें लोग पढ़कर फेंक देते हैं या कबाड़ी वाले को बेच देते हैं। यदि पुस्तकें पढ़कर हिफाजत से रख दी जाएँ तो वे कभी बर्बाद नहीं होतीं बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी पढ़ी जाती हैं और उनकी उपयोगी बातें जीवन में उतारी जाती हैं।
(ख) मैं कागज के पन्नों की किताब पसंद करूँगा क्योंकि इसे कभी भी पढ़ा जा सकता है। इतना ही नहीं ऐसी किताबों को एक से अधिक बार भी पढ़ा जा सकता है, किस्तों में भी पढ़ा जा सकता है। ये सारी बातें टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब में नहीं मिलती।
(ग) कागज से पहले की छपाई पत्तों, ताम्रपत्रों और लकड़ी पर हुआ करती थी।
(घ) हम अध्यापक की मदद से पढ़ना चाहेंगे। अध्यापक बच्चों को आसानी से समझा देते हैं। लेकिन कई बार अध्यापक बच्चों को कुछ विषय नहीं समझा

पाते हैं। वहीं मशीन से पढ़ाई में बच्चों को समझने में मुश्किल होगी। लेकिन मशीनी पढ़ाई से सभी विषयों की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

(ङ)

व्यक्तिगत	**सार्वजनिक**
मनोरंजन	रेल, बस टिकटों की बिक्री में
हिसाब-किताब	सार्वजनिक जानकारियाँ प्राप्त करने में
पढ़ाई-लिखाई	विभिन्न उद्योगों की जानकारी
विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त करना	सूचनाएँ प्रसारित करने में
फोटोग्राफी	नौकर से संबंधित

6. (क)

जानकारी	**भावनाएँ**
→ सन्देश, → चित्र, → फैक्स, → विज्ञापन, → नोटिस, ↔ टी०वी०, → इश्तहार	↔ फोन, ↔ अभिनय, → मोबाइल, ↔ तार, ↔ मोबाइल सन्देश, → संकेत-भाषा, → नृत्य के हाव-भाव

(ख) **कारक**—'ने' कर्त्ता कारक, 'की' संबंध कारक तथा 'में' अधिकरण कारक।

(ग) **सर्वनाम**—'वह'और 'वे'

(घ) यह प्रश्नवाचक वाक्य है।

7. (क) प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को सुधारा है, संवेदनशीलता को बढ़ाया है और सम्पूर्ण समाज को प्रभावित किया है। यह संचार स्वास्थ्य, शिक्षा और विनिर्माण क्षेत्रों में सुधार का केंद्र है, जिससे जीवन को सरल और अधिक सुखद बनाया जा सकता है।

(ख) हाँ, मैं सहमत हूँ कि हमें अपने देश की परिस्थितियों के अनुरूप प्रौद्योगिकी को अपनाना चाहिए। यह सुनिश्चित करेगा कि हम तकनीकी समृद्धि का उपयोग करके समस्त समाज को प्रभावशाली ढंग से समृद्धि की दिशा में मोड़ सकते हैं।

8. (क) **पेन**—बहुत साल बाद पेन लेजर किरणों वाले हो सकते हैं जिनसे दूर से भी लिखा जा सकता है।

घड़ी—बहुत सालों बाद घड़ी कम्प्यूटर के माध्यम से चलेगी तथा उनमें सुइयाँ भी नहीं होंगी।

टेलीफोन/मोबाइल—बहुत सालों बाद टेलीफोन/मोबाइल का आकार काफी छोटा हो जाएगा और इसमें सुविधायें भी होंगी।

टेलीविजन—बहुत सालों बाद टेलीविजन काफी पतले आकार के आने लगेंगे। यह दीवार पर ही लटकाए जा सकेंगे।

रसोईघर का सामान—आने वाले समय में रसोईघर में इस्तेमाल होने वाला सामान भी काफी आधुनिक होगा। इनमें बहुत-सी चीजें बिजली से चलने वाली होंगी।

(ख) वस्तुओं के नाम	बीस साल पहले इनकी कीमत	अब इनका दाम
आलू	50-75 पैसे प्रति कि० ग्राम	10-20 रुपये प्रति कि०ग्रा०
लड्डू	10-20 रुपये प्रति कि० ग्राम	150-200 रुपये प्रति कि०ग्रा०
शक्कर	3-4 रुपये प्रति कि० ग्राम	50-70 रुपये प्रति कि०ग्रा०
दाल	4-5 रुपये प्रति कि० ग्राम	140-200 रुपये प्रति कि०ग्रा०
चावल	5-10 रुपये प्रति कि० ग्राम	25-60 रुपये प्रति कि०ग्रा०
दूध	4-5 रुपये प्रति लीटर	60-70 रुपये प्रति लीटर

9. (क) कहानी में 'थे' शब्द का इस्तेमाल भूतकाल की घटनाओं को बताने के लिए किया गया है क्योंकि यह कहानी भविष्य के आधार पर लिखी गई है।

(ख) मैं जब छोटा था तो घर में अकेले रहने से डरता था। एक बार मम्मी को किसी जरूरी काम से पड़ोस में जाना पड़ा। काम ज्यादा देर का नहीं था अत: मम्मी मुझे अकेले छोड़कर चली गई। संयोग ऐसा था कि उनके जाते ही एक छोटी चुहिया मेरे सामने से गुजर गई। वह तो न जाने कहाँ चली गई लेकिन मैं जोर–जोर से चिल्लाकर रोने लगा। जब तक मम्मी आती तब तक तो रो–रोकर मेरा बुला हाल हो गया था।

(ग) मैं एक लड़की हूँ। मेरा नाम अपर्णा है। मैं अपने माता–पिता और एक छोटे भाई के साथ रहती हूँ। मैं स्वभाव से बहुत कोमल हूँ। किसी को दु:खी नहीं देख सकती। यथासंभव जरूरतमंदों की सहायता करने में विश्वास रखती हूँ। मेरे इस स्वभाव के कारण स्कूल में सभी मुझे प्यार करते हैं। लेकिन मुझमें दो बहुत बड़ी कमियाँ हैं। पहली, मैं बहुत जल्दी गुस्सा हो जाती हूँ। दूसरी, सुबह उठने में मुझे आलस आता है। मुझे रोना बिल्कुल पसंद नहीं है। बुजुर्गों की मदद करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

(घ) दर्शकों की मैदान में भीड़ है। बल्लेबाज गेंद खेलने के लिए बिल्कुल तैयार खड़ा है। इधर गेंदबाज गेंद लेकर भागने लगा। गेंदबाज ने जैसे ही गेंद फेंकी बल्लेबाज ने एक जोरदार हिट लगाया। गेंद सीमा रेखा की तरफ जा रही है और ये चार रन। इसके साथ ही बल्लेबाजी करने वाली टीम ने मैच जीत लिया। सभी खिलाड़ी दौड़ते हुए आए और अपने बल्लेबाज की पीठ थपथपाने लगे।

❑

8. एक दिन की बादशाहत

❒ **Worksheet**

1. (क) (ii) अब्बा (ख) (iii) अब्बा (ग) (ii) सलीम
(घ) (iii) खानसामा (ङ) (i) सफेद वायल

2. (क) चूँ (ख) अम्मी (ग) झापड़ (घ) थोड़ी (ड) मगर

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) आपा ने आरिफ को कहर भरी नजरों से घूरा।
(ख) आरिफ ने आँख निकालकर भाईजान को धमकाया।
(ग) अम्मी ने खानसामा से कहा खाने के साथ एक मीठी चीज जरूर पकाया करो।
(घ) अब्बा ने रजिया से पाँच रुपये माँगे।
(ङ) अब्बा अपने दोस्तों के बीच बैठे अपनी नई गजल लहक-लहक कर सुना रहे थे।

5. (क) अब्बा ने यह सोचकर आरिफ की बात मान ली कि रोज सभी इन बच्चों पर हुक्म चलाते हैं क्यों न एक दिन के लिए ये हक इन्हें भी दे दिया जाए।
(ख) आरिफ और सलीम ने बड़ों के सभी अधिकार माँग लिए थे और बड़ों को छोटों की तरह रहने के लिए कहा था, जिससे उनकी इच्छा पूरी हो गई थी। इससे अच्छा था कि उन दोनों को अपनी कुछ आदतों में सुधार कर लेना चाहिए था।
(ग) अम्मी के अधिकार आरिफ और सलीम ने छिन लिए थे।
(घ) कहानी में उस दिन बच्चों को सारे बड़ों वाले काम करने पड़े थे। ऐसे में बच्चे एक दिन के लिए असली बादशाह बन गए थे क्योंकि उस दिन उन्हें सभी अधिकार प्राप्त थे।
(ङ) कहानी में अंडे और मक्खन जैसी चीजों को तर माल कहा गया है। इन चीजों के अलावा हलवा-पूरी, खीर, मिठाइयाँ, पकवान आदि चीजों को तर माल कहा जा सकता है।
(च) (i) **पहनने की चीजें**—कुर्ता-पायजामा
(ii) **खाने-पीने की चीजें**—रोटी, दलिया, हरी सब्जियाँ, अनानास
(iii) **करने के काम**—कपड़े साफ करना, जूते पॉलिश करना
(iv) **खेल**—कबड्डी, पतंगबाजी।

6. (क) यह वाक्य प्रश्नवाचक है।
(ख) कारक—'के' संबंध कारक तथा 'से' करण कारक।
(ग) यह वाक्य प्रश्नवाचक है।
(घ) संज्ञा—'आरिफ' और 'सलीम'।
(ङ) साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई थी।

(च) **भारी साड़ी**—साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई होने पर यह भारी लगने लगती है। ऐसी साड़ी महँगी भी होती है। अत: यहाँ 'भारी' का अर्थ महँगी और अत्यधिक कढ़ाईदार होने से है।

भारी अटैची—अटैची में वजनदार सामान है जिससे वह भारी हो गई है। अत: यहाँ 'भारी' का अर्थ है—वजनदार।

भारी काम—कोई काम जब बहुत बड़ा, मुश्किल और पेचीदा होता है तब उसके पहले 'भारी' विशेषण का प्रयोग किया जाता है। अत: यहाँ 'भारी' का अर्थ काम के 'बड़े, मुश्किल और पेचीदा' होने से है।

भारी बारिश—वर्षा जब बहुत अधिक होती है तो उसके पहले प्राय: हम 'भारी' विशेषण लगाते हैं। अत: यहाँ 'भारी' का अर्थ 'अधिक' से है।

7. (क) माता-पिता को बच्चों की इच्छाओं और खुशियों का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इससे परिवार में संबंध मजबूत होते हैं और बच्चों का सही विकास होता है। इससे संबंध और समझदारी बढ़ती है, जो परिवार को सहजता से साथी बनाए रखता है।

(ख) बच्चों को आज्ञाकारी और विनम्र होना चाहिए; क्योंकि यह उनके व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों को सुधारता है, सहजता से सीखने की क्षमता को बढ़ाता है और समाज में सही तरीके से संघर्ष करना सीखता है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) अगर हमें घर की जिम्मेदारी एक हफ्ते के लिए दे दी जाए तो हम अपने मन की सभी इच्छाओं को पूरा करना चाहेंगे; जैसे—
कम्प्यूटर पर ज्यादा देर तक काम करूँगी।
अपनी सहेलियों को बुलाकर उनसे गप्पे मारूँगी।
दूध और फल बिल्कुल नहीं लूँगी।
रसोइए से मनमानी चीजें बनवाकर खाऊँगी।
नेट पर सर्फिंग करूँगी।

❑

9. बिना जड़ का पेड़

❑ Worksheet

1. (क) (iii) व्यापारी (ख) (i) गोनू झा के घर पर
(ग) (i) आतिशबाजी (घ) (ii) व्यापारी

2. (क) सहजता (ख) गूढ़ (ग) मायूस (घ) फूल

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)

4. (क) व्यापारी ने कहा कि मैं बिना बीज एवं पानी के पेड़ उगाता हूँ।
(ख) गोनू झा ने बताया कि संदूक में आतिशबाजी है।

(ग) पुरस्कार का हकदार गोनू झा बना।

(घ) गोनू झा ने दरबार में जेब से कुछ आतिशबाजी निकालकर छोड़ी। इसी कारण महाराज की आँखें लाल-पीली हो गईं।

5. (क) राजा के दरबार में एक व्यापारी संदूक के साथ पहुँचा। उसने गर्व से कहा, "महाराज, मैं व्यापारी हूँ और बिना बीज एवं पानी के पेड़ उगाता हूँ। आपके लिए मैं एक अद्‌भुत उपहार लाया हूँ, लेकिन आपके दरबार में एक-से-एक ज्ञानी-ध्यानी हैं, इसलिए पहले मुझे कोई यह बताए कि इस संदूक में क्या है? अगर बता देगा तो आपके यहाँ चाकरी करने को तैयार हूँ।

(ख) गोनू झा ने व्यापारी को अपने घर चलने का न्यौता दिया और संदूक में क्या है यह पता लगाया।

6. (क) **आँखें लाल-पीला होना**—गुस्सा करना

वाक्य प्रयोग—मोहन को जब परीक्षा में नकल करते हुए पकड़ा गया, तब मोहन की आँखें लाल-पीली हो गईं।

(ख) सर्वनाम—'आप'

कारक—'के लिए' संप्रदान कारक

(ग) संज्ञा—गोनू झा

7. (क) इसका कारण यह है कि अपनी समझदारी पर अहंकार रखना व्यक्ति को अन्य लोगों की राय और विचारों को नजरअंदाज करने के लिए मोहित कर सकता है। अहंकार से रहित व्यक्ति अधिक समझदार बनता है और उसे सही और ठीक तरीके से सोचने की क्षमता मिलती है। इससे सामाजिक और पेशेवर संबंधों में सहजता और समर्थता बनी रहती है।

(ख) किसी भी कठिन कार्य या पहेली को सुलझाने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता होती है, क्योंकि समय देने से ही हम विभिन्न संभावित समाधानों पर विचार कर सकते हैं और सही रास्ता चुन सकते हैं। समय की आवश्यकता इसलिए होती है क्योंकि यह हमें अध्ययन, अनुसंधान और सोचने का समर्थन करता है, जिससे कठिनाईयों को दूर करना संभव होता है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

10. स्वामी की दादी

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) दादी (ख) (iii) स्वामीनाथन ने (ग) (iii) सब-मजिस्ट्रेट
(घ) (iii) 4 (ङ) (iii) स्वामीनाथन

2. (क) भरकर (ख) पुलिस (ग) समर्थन (घ) कहानी (ङ) बहादुर

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) दादी ने हरिश्चंद्र की कहानी राजम को सुनायी।

(ख) स्वामीनाथन दादी के गलत जवाब से चिढ़ गया।

(ग) राजम बड़ा बहादुर लड़का था। उसके पिता पुलिस अधीक्षक थे।

(घ) स्वामीनाथन के दादा रौबदार सब-मजिस्ट्रेट थे जिनके दफ्तर में पुलिस वाले काँपते हुए खड़े रहते थे।

(ङ) राजम ने शेर को मारा था।

5. (क) दादी ने यह बात उसे खुश करने के लिए कही लेकिन स्वामी को ऐसा इसलिए लगा क्योंकि दादी राजम को अच्छी तरह नहीं जानती थी।

(ख) मैडल से चूड़ियाँ लेने पर दादी ने बुआ को महामूर्ख इसलिए माना क्योंकि वह मैडल स्वामी के दादाजी को एम०ए० करने पर मिला था। वह उनकी सफलता की निशानी था, लेकिन बुआ ने उसे तुड़वाकर चूड़ियाँ बनवा लीं थी।

(ग) स्वामी एक छोटा लड़का था जो अपनी दादी के साथ उनकी कोठरी में रहता था। उसे दादी से बहुत लगाव था। जब वह दादी की गोद में सिर रखकर लेटता था तो स्वयं को बहुत सुरक्षित महसूस करता था। वह दादी की पुरानी बातों में जरा भी दिलचस्पी नहीं लेता। उनको अपनी बात सुनने को कहता और अगर दादी ने उसकी बातों में दिलचस्पी नहीं दिखायी तो वह नाराज हो जाता था। उसका एक दोस्त था जिसका नाम राजम था। वह उसकी बहादुरी और गणित में अच्छे नंबर लाने से बहुत प्रभावित रहता था। वह दादी से उसके बारे में बढ़ा-चढ़ाकर कहता रहता था।

(घ) हाँ, मैं स्वामी की राय से सहमत हूँ। राजम पढ़ने में तेज था। उसके गणित में अच्छे नंबर आते थे। वह बहादुर भी था। उसने बचपन में एक शेर को मारा था और उसके पिताजी पुलिस के सबसे बड़े अफसर थे। उसके पास पुलिस की वर्दी भी थी।

(ङ) स्वामी का अपनी दादी से बहुत लगाव था। वह उनकी गोद में सिर रखकर सुरक्षित महसूस करता था। वह उनसे कभी-कभी चिढ़ जरूर जाता था लेकिन उनसे बहुत प्यार करता था। रोज रात में उनके साथ सोता था। उनकी संगति में वह प्रसन्न रहता था।

(च) किसी व्यक्ति का रौब उसके पद, उसके व्यक्तित्व और अन्य लोगों में उसके आदर-सम्मान से पता चलता है। हमारे घर के पास एक रौबदार अंकल रहते हैं। वह पुलिस में हैं और उनकी मूँछें बड़ी-बड़ी हैं तथा उनका शरीर भी काफी मजबूत है। उनकी आवाज बहुत बुलंद है और वह सदा खुश रहते हैं। सभी लोग अंकल का सम्मान करते हैं।

6. (क) ऊलजलूल—उसकी ऊलजलूल बातों से मैं बहुत जल्दी ऊब गया।
रूखा—हमें किसी के साथ भी रूखा व्यवहार नहीं करना चाहिए।
खूँखार—जंगलों में रहने वाले सभी जानवर खूँखार नहीं होते।

चेतावनी—शिक्षक ने विद्यार्थियों को समय पर आने की चेतावनी दी।
मिठास—दूध की मिठास सबको अच्छी लगती है।
समर्थन—हमें अच्छी बातों का समर्थन करना चाहिए।

(ख)

शब्द	**लिंग**
वर्दी	स्त्रीलिंग
सिक्के	पुल्लिंग
हिस्सा	पुल्लिंग
दफ्तर	पुल्लिंग
सामान	पुल्लिंग
महामूर्ख	पुल्लिंग

(ग) **कारक**—'पर' अधिकरण कारक
वाक्य का प्रकार—यह सरल वाक्य है।

(घ) **भाववाचक संज्ञा**—'प्रसन्नता'
सर्वनाम—वह

(ङ) **क्रिया**—गोली चलाना

7. (क) दादा-दादी से स्नेह करना हमारे उनके साथ जुड़े रिश्तों को मजबूत करता है और हमें उनके अनुभव से बहुमूल्य शिक्षा प्राप्त होती हैं। ये रिश्ते हमें परंपरागत अधिकार, समझदारी और समर्थन प्रदान करते हैं, जो हमारे जीवन को समृद्धि और सांत्वना से भर देते हैं।

(ख) अपने दादा-दादी की आज्ञा का पालन करना हमें उनके साथ रिश्तों को मजबूती से बनाये रखने में मदद करता है, जिससे परिवार में एकता और समर्थन बना रहता है। उनकी सेवा करना हमें समर्पण और सहानुभूति का आदान-प्रदान कराता है, जो एक-दूसरे के प्रति समर्पितता बढ़ाता है। उनसे अच्छी बातें सीखना हमें जीवन में नैतिक मूल्यों की सजगता को समझने में मदद करता है जिससे हम आचरण में सुधार कर सकते हैं और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

8. (क) (i) दादी अपने बक्से में इलायची, लौंग और सुपारी खाने और मन बहलाने के लिए रखती होंगी।

(ii) हाँ, मेरे घर में भी इन चीजों का इस्तेमाल होता है। इलायची और लौंग का प्रयोग चाय और सब्जियों को जायकेदार बनाने में होता है। सुपारी खाने में इस्तेमाल होता है।

(iii) ताँबा और लोहे जैसी दो धातुओं से ताँबे के सिक्के बनाये जाते हैं।

(iv) ताँबा, सोना, चाँदी, लोहा, गिलट आदि के बने होते हैं।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

11. एक माँ की बेबसी

❒ **Worksheet**

1. (क) (iii) रतन (ख) (i) अजूबा (ग) (ii) डर के रूप में
(घ) (i) बेबसी (ङ) (ii) निहारती

2. (क) खेलता (ख) घबराते (ग) समझने (घ) आँखों (ङ) इशारों

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)

4. (क) रतन, जो बोल नहीं सकता था। वह गूंगा बच्चा था।
(ख) देखने में रतन हम बच्चों की ही तरह था। लेकिन हम बच्चों के लिए अजूबा था क्योंकि वह हमसे भिन्न था।
(ग) रतन से बच्चे घबराते थे।
(घ) रतन की भयभीत आँखों में हर समय उसके अंदर की छटपटाहट दिखती थी।

5. (क) रतन नामक गूंगा बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था, फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरू होती है। क्योंकि पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक-दूसरे से बात करते थे, पर वह बच्चा बोल नहीं सकता था। इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजान था।
इसका दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि कवि ने उस बच्चे को पहली बार देखा हो जब वह खेलने आया।

(ख) (i) 'छटपटाहट' तब महसूस होती है जब हम अपनी इच्छानुसार काम नहीं करवा पाते हैं।
ऊपर 'छटपटाहट' के तीन अर्थ या संदर्भ दिए हुए हैं। इनमें से 'संदेश वाला' अर्थ बच्चे पर लागू होता है। रतन इशारों में अपनी बात अपने साथ खेलने वाले बच्चों तक पहुँचाना चाहता है। परन्तु बच्चे उसके इशारों को नहीं समझ पाते हैं। इस पर वह छटपटाहट महसूस करता है।

(ii) घबराहट : हमें जब किसी बात की आशंका हो तो घबराहट महसूस होती है, यह डर हो कि दूसरे के मन में क्या चल रहा है। पापा को पता चल गया हो कि काँच का गिलास तुमसे टूटा है।
कारण : घबराहट कोई गलत काम करने से होती है। ये भावनाएँ घर, स्कूल आदि में महसूस होती हैं।

(ग) जो बच्चा बोल नहीं सकता, वह इस आशंका से 'घबराहट' महसूस कर सकता है कि अन्य लोग उसकी बात समझ पाएँगे और अगर उसे अपनी बात दूसरे लोगों को समझानी है तो वह किस प्रकार से समझाएगा।

(घ) (i) रतन अपनी बात इशारों से समझाता था लेकिन जब उसकी बात अन्य लोग नहीं समझ पाते थे, तब वह घबराता होगा।

(ii)

दोस्त/सहेली का नाम	किस बात से घबराता है	घबराने का कारण
अजय	अँधेरे से	कहीं अँधेरे में कोई आ न जाए।
विक्रम	बीमारी से	बहुत-सी दवाइयाँ खानी पड़ेंगी।
चंदन	ऊँचाई से	कहीं गिर न जाऊँ।
रंजीत	पानी से	कहीं डूब न जाऊँ।
शंकर	आग से	कहीं जल न जाऊँ।

6. (क)

खिलौना	टूटने का कारण	नतीजा
गाड़ी	पहिया निकल जाने पर	चल नहीं पाती
गुड़िया	सीटी निकल जाने पर	बज नहीं पाती
गेंद	पिचक जाने पर	उछल नहीं पाती
जोकर	चाबी निकल जाने पर	चल नहीं पाता

(ख)

बेजान	बेचैन	बेईमान	बेकार	बेनाम
बेसहारा	बेहिसाब	बेखौफ	बेघर	बेचारा

(ग) मैं इन नजरों को पहचानता हूँ—

(i) प्यार भरी नजरें

(ii) क्रोध भरी आँखें

(iii) शरारती आँखें

(iv) डरावनी आँखें।

(घ) **कारक**—'की' संबंध कारक तथा 'को' कर्म कारक।

(ङ)

मुहावरे	वाक्य प्रयोग
(i) **आँख दिखाना**	मुझे आँखें मत दिखाओ।
(ii) **नजर चुराना**	गलती करोगे, तो नजरें चुरानी पड़ेंगी।
(iii) **आँख का तारा**	क्षितिज अपने माँ-बाप की आँख का तारा है।
(iv) **नजरें फेर लेना**	अपना काम निकलते ही तुम मुझसे नजरें फेरने लगे हो।
(v) **आँख पर पर्दा पड़ना**	पुलिस गलत काम देखकर भी आँख पर पर्दा डाले बैठी है।

7. (क) हमें उन बच्चों को विशेष स्नेह देना चाहिए जो सुन, बोल नहीं सकते, क्योंकि इससे उनका सामाजिक और मानसिक विकास होता है और समाज में सम्मान और समर्थन का महत्त्वपूर्ण अहसास होता है।

(ख) माता-पिता अपने असहाय बच्चों के कारण स्वयं को असहाय महसूस करते हैं, क्योंकि वे उनके पूर्ण संरक्षण और देखभाल का जिम्मा लेते हैं। इस अपनेपन में

बच्चों की निर्भीक जरूरतों को पूरा करने में माता-पिता की भावना होती है और यह उन्हें आत्मा की संरक्षा और प्रेम का अनुभव करती है।

8. (क) (i) रतन की माँ की आँखों में अपने बच्चे के न बोलने की बेबसी झलकती होगी। माँ को यह बेबसी उसके बच्चे के न बोलने की पीड़ा के कारण होती होगी।

(ii) (अ) मेरी माँ बहुत खुशी होती हैं जब मैं पढ़ाई करता हूँ।
(ब) माँ मुझे इसलिए डाटती हैं क्योंकि मैं शरारती हूँ।
(स) मेरी माँ चाहती हैं कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर बनूँ।
(द) माँ उस समय बहुत बेबस हो जाती हैं जब मैं घर देर से पहुँचता हूँ।
(य) मैं चाहती/ता हूँ कि मेरी माँ का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहे।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

12. स्वतंत्रता की ओर

❑ Worksheet

1. (क) (iii) बकरी (ख) (ii) नौ वर्ष (ग) (i) दांडी
(घ) (iii) एक माह (ङ) (i) बिन्नी की देखभाल कौन करेगा

2. (क) व्यस्त (ख) पास (ग) बकरी (घ) आप

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

4. (क) धनी की माँ खाँसते हुए बोली, ''वे सब यात्रा पर जा रहे हैं।''

(ख) बिंदा धनी का चाचा था।

(ग) गाँधी जी दांडी पहुँचकर नमक बनाना चाहते थे।

(घ) 'पर आप तो नौजवान नहीं हैं' इस पर गाँधी ने कहा, ''मैं बहुत अच्छे से चलता हूँ।''

(ङ) **खूब सारी ताकत और सेहत के लिए उपयोगी खाद्य पदार्थ—**
(i) चटपटी अंकुरित दाल (ii) मीठा दूध (iii) रसीला आम (iv) कुरकुरी मक्का की रोटी (v) खुशबूदार दाल (vi) गर्मागर्म साग।

5. (क) धनी यात्रा पर जाने के लिए इसलिए उत्सुक था क्योंकि वह देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में भाग लेना चाहता था। गाँधीजी को अपना सहयोग देना चाहता था। अगर मैं धनी की जगह होता तो मैं भी यात्रा पर जाने की जिद करता क्योंकि धनी की तरह मैं भी जागरूक हूँ।

(ख) गांधीजी ने धनी से कहा कि वह उनके लिए बिन्नी की देखभाल करे जिससे कि दांडी से लौटकर आने के बाद वह उसका खूब सारा दूध पीकर ताकतवर

महसूस करें। धनी को गांधीजी की यह बात बिल्कुल सही लगी और वह रुक गया।

हाँ, मैं गांधीजी के तर्क से सहमत हूँ। आश्रम के सभी लोगों को कोई न कोई काम करना होता था। धनी बिन्नी की देखभाल करने के लिए आश्रम में रुक गया। बिन्नी की देखभाल करना भी एक काम था।

(ग) धनी बिन्नी को हरी-हरी घास खिलाता था। उसके बर्तन में पानी डालता था। उसे आश्रम में घुमाता था और उससे बातें करता था।

(घ) (i) इनमें से नीचे लिखे ईंधनों का प्रयोग होता है—

स्टोव—मिट्टी का तेल

चूल्हा—लकड़ी

गैस-स्टोव—रसोई गैस

कोयले की भट्ठी—कोयला।

(ii) मेरे घर में खाना पकाने के लिए गैस-स्टोव का इस्तेमाल किया जाता है।

(ङ) गाँधी जी बस या ट्रेन से दांडी इसलिए नहीं जा रहे थे क्योंकि ''यदि वे इस लंबी यात्रा पर दांडी तक पैदल जाएँगे तो यह खबर फैलेगी। अखबारों में फोटो छपेंगी, रेडियो पर रिपोर्ट जाएगी और पूरी दुनिया के लोग यह जान जाएँगे कि हम अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं और ब्रिटिश सरकार के लिए यह बड़ी शर्म की बात होगी।''

6. (क)

मीठा	हलवा	घना	पेड़
सफेद	नमक	छोटी	चींटी
चिकना	पत्थर	लम्बा	कुर्ता
मोटा	चश्मा	लाल	झंडा

(ख)

धुआँ	कुआँ	फूँक	कहाँ
स्वतंत्र	बाँध	माँ	गाँव
बंदगोभी	इंतजार	पसंद	

7. (क) जिम्मेदारी से काम करना व्यक्ति को स्वास्थ्य, संबंध और समृद्धि की दिशा में सार्थकता और सामर्थ्य प्रदान करता है। जिम्मेदारी यह समझाती है कि अपनी क्रियाओं के प्रति जिम्मेदार बनना व्यक्ति के व्यक्तिगत और सामाजिक उत्थान के लिए महत्त्वपूर्ण है।

(ख) अहिंसक संघर्ष उचित है क्योंकि यह सत्य और न्याय के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इससे अधिकार की माँग को लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन होता है और शांति बनायी रखी जा सकती है जो समृद्धि और समरसता की दिशा में कारगर होती है।

8. (i) **स्वतंत्रता**—अपने देश में आजादी के साथ रहना, किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप न होना।

(ii) **सत्याग्रह**—सत्य के लिए आग्रह अर्थात् सही बात मनवाने के लिए हठ करना।
(iii) **खादी**—चरखे पर सूत कातकर बनाया गया घरेलू मोटा कपड़ा।
(iv) **चरखा**—सूत या धागा कातने का लकड़ी का एक उपकरण।

❑

13. मुफ्त ही मुफ्त

❑ Worksheet

1. (क) (iii) नारियल (ख) (iii) बगीचे तक
(ग) (ii) मुफ्त में (घ) (ii) तीन

2. (क) खाने (ख) घुरघुराते (ग) नारियल (घ) नारियल

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)

4. (क) शुरू में भीखूभाई एक रुपए में नारियल खरीदना चाहते थे।
(ख) मंडी में नारियल की कीमत एक रुपए थी।
(ग) नाव वाले ने पचास पैसे का नारियल बताया।
(घ) बगीचे में माली ने नारियल की कीमत पच्चीस पैसे बतायी।
(ङ) माली ने भीखूभाई से कहा, "अरे काका! मुफ्त में चाहिए न? यह रहा पेड़ और वह रहा नारियल। पेड़ पर चढ़ जाओ और जितने चाहो तोड़ लो। वहाँ नारियल की कोई कमी नहीं है। पैसे तो मेरी मेहनत के हैं।"

5. (क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वे बहुत ज्यादा कंजूस थे।
(ख) जहाँ नारियल की खेती होती है वहाँ अर्थात् नारियल के बगीचे में नारियल सबसे सस्ता मिलेगा। बाजार तक जाने में उसकी कीमत बढ़ती जाती है और बाजार में पहुँचते ही उसकी कीमत सबसे अधिक हो जाती है।
(ग) नहीं, भीखूभाई को नारियल मुफ्त में नहीं मिला। इसे पाने के लिए उन्हें बहुत दूर पैदल जाना पड़ा, धूप में पसीना बहाना पड़ा और अंत में तो वह नारियल के पेड़ से गिर पड़े और उनके सिर पर एक बड़ा नारियल आ फूटा।
(घ) बरगद बहुत पुराना होगा। उसकी डालियाँ भी कमजोर हो गई होंगी। इसलिए बरगद को बूढ़ा कहा गया होगा।

6. (क) मंडी में आलू, टमाटर, मटर, शिमला मिर्च, बंदगोभी, गाजर, कांदा, प्याज आदि सब्जियाँ बिक रही होंगी।
(ख) आलू! आलू! दस का किलो! दस का किलो!
मीठी गाजर! मीठी गाजर! चार का पाव! चार का पाव!
अदरक-मिर्च! अदरक-मिर्च! पाँच के पाव!
मीठे सेब! ताजे सेब! तीस रुपया! तीस रुपया!

(ग)

काका	काकी	दर्जी	दर्जिन
मालिन	माली	टोकरी	टोकरा
मटका	मटकी	गद्दा	गद्दी

(घ) विस्मयादिबोधक वाक्य

(ङ) 'की' संबंध कारक तथा 'ने' कर्त्ता कारक

(च) इस वाक्य में संज्ञा और सर्वनाम शब्द नहीं हैं।
विशेषण—'मीठा-मीठा'।

7. (क) इस लोककथा के चित्रों में भीखूभाई का पहनावा दिखाया गया है। मंडी में बिक रही चीजें, जैसे—बटाटा, आलू, कांदा आदि से पता चलता है कि यह कथा गुजराती है। पुरुष के नाम के साथ 'भाई' और महिला के नाम के साथ 'बेन' लगा हुआ है। इससे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह गुजरात की लोककथा है।

(ख) लालच आपको असली सुख और संतुष्टि से दूर कर सकता है, क्योंकि यह हमेशा आपको अधिक की तलाश में रखता है और सार्थकता की कमी कर सकता है। यह सामाजिक और आत्मिक संबंधों का अधिकतम आनंद लेने में बाधा डाल सकता है।

8. (क) छात्र स्वयं पाठ का सार पढ़ें और उसमें नारियल की जगह 'आम' लिखें। आम की कीमत को प्रति किलो बताएँ।

(ख) छात्र स्वयं करें।

(ग) अरे भाई नारियल वाले, एक नारियल कितने का है?
बस दो रुपए में अंकल जी।
बहुत ज्यादा बता रहे हो। एक रुपए में देना है तो दे दो।
अरे नहीं अंकल जी। एक रुपए में लेना है तो मंडी चले जाओ।
कहाँ है मंडी?
यहाँ से थोड़ी दूर।
ठीक है वहीं जाता हूँ।

❑

14. एशियाई शेर के लिए मीठी गोलियाँ

❑ Worksheet

1. (क) (iii) 2004 (ख) (i) 15 मार्च (ग) (ii) 6 माह

2. (क) खाने (ख) कमजोर (ग) डॉ० आर०जी० जानी

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) खाने में बदलाव का असर हुआ और घाघस ने 70-80 प्रतिशत तक खाना खाया जो कि एक अच्छा संकेत था।

(ख) घाघस के खून के नमूने जाँच के लिए भेजे गए।

(ग) चिड़ियाघर के डॉक्टरों ने घाघस को तीन दिन तक लगातार सुई लगायी।

5. (क) चिड़ियाघर के निदेशक डी० एन० सिंह ने बताया, ''एक महीने बाद तो हालत यह हो गई कि घाघस अपने शरीर का पिछला हिस्सा उठाने में असमर्थ हो गया। हमने उसे नियमित रूप से दिए जाने वाले माँस के स्थान पर मटन और चिकन खाने के लिए दिया। खाने में किए गए बदलाव का असर हुआ और घाघस ने 70-80 प्रतिशत तक खाना खाया जो कि एक अच्छा संकेत था। हालाँकि उसकी हालत में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा था।''

(ख) आणंद के डॉक्टर आर० जी० जानी ने उसे होम्योपैथी दवाइयाँ लेने की सलाह दी।

6. (क) **कारक**—'की' संबंध कारक, 'से' करण कारक तथा 'में' अधिकरण कारक।
सर्वनाम—वह
समुच्चयबोधक—पर

(ख) **संज्ञा**—घाघस और गुजरात
सर्वनाम—यह, हमने
कारक—'का, की, के' संबंध कारक तथा 'से' करण कारक

7. (क) जानवरों से प्रेम करना हमें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना सकता है और प्राकृतिक संरचना की सुरक्षा का आदान-प्रदान कर सकता है। इससे हमारी आत्मा में शांति और संतुलन की भावना भी उत्पन्न हो सकती है।

(ख) जानवर हमारे पर्यावरण के लिए आवश्यक है क्योंकि वे प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं। वे वन्य जंतुओं को नियंत्रित करके और वन्य जीवों को उत्पन्न करके जंगलों की सफाई में मदद करते हैं, जिससे प्राकृतिक वन्य जीवों का संरक्षण होता है। इसके अलावा, जानवर पोलिनेटर्स के रूप में कार्य करके पौधों के प्रजनन को सहारा पहुँचाते हैं, जो वन्य जीवों को और उनकी प्रजातियों को बढ़ावा देता है। इससे पर्यावरण का संरक्षण और उसको सुरक्षित रखना संभव होता है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

15. रात भर बिलखते-चिंघाड़ते रहे

❑ **Worksheet**

1. (क) (ii) 25 (ख) (ii) हथिनी को (ग) (i) नाले में

2. (क) शेर (ख) जोरदार (ग) जानलेवा

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) सयाने हाथी जख्मी बच्चे को ऊपरी बाराकमारा में रेंजर ऑफिस के सामने ले गए।

(ख) उसकी माँ सूँड में घास का पूला उठाकर चँवर डुलाती रही जिससे घाव पर मक्खियाँ न बैठें।

(ग) बच्चे के मरने की खबर मिलते ही चरने के लिए गए हुए हाथी लौट आए। रेंजर ऑफिस के सामने सभी शोक सभा में शामिल हो गए। शव को घेरकर सारी रात वहीं खड़े रहे। उनकी आँखें आँसू बहाती रहीं। वे चिंघाड़ते, रोते और बिलखते रहे।

5. (क) हाथी दो टोलियों में बँट कर बाराकमारा-तिनाधिया सड़क के साथ चौड़े में चर रहे थे।

(ख) बच्चा हाथी एक सुबह अपनी टोली से अलग होकर नाले की तरफ जा रहा था। रात का दौरा लगाने के बाद इस इलाके का शेर वहीं सो रहा था। वह बच्चे पर झपट पड़ा। इसलिए बच्चा हाथी ने चिंघाड़ा।

6. (क) **संज्ञा**—हाथी।

(ख) **कारक**—'पर' अधिकरण कारक
संज्ञा—बच्चे
सर्वनाम—वह

7. (क) बच्चों के प्रति प्रेम और संबंध माता-पिता और जीवन के अन्य संबंधित स्तरों पर सामान्यत: होता है। यह संतुलन और सद्भाव का अभिवादन करने में मदद कर सकता है और इससे सामाजिक एवं मानवीय संबंधों में स्थिरता बनी रहती है। इस प्रेम और संबंध से बच्चे अपने परिवार और समाज में स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। यह उनके संपर्क, सहायता और विकास को प्रोत्साहित करता है।

(ख) दूसरों के दुख में शामिल होना हमें उनके संबंध, सहानुभूति और समर्थन का अभिवादन करने का एक मौका प्रदान करता है। यह हमें मानवता और सामाजिक सहयोग की महत्त्वपूर्णता समझने में मदद करता है। दुख में साझा करना संबंधों को मजबूत करने, समर्थन प्रदान करने और एक-दूसरे की मदद करने का एक तरीका हो सकता है, जिससे समृद्धि और सौहार्द का वातावरण बना रहता है।

8. (क) गाय आमतौर पर घास, पत्तियाँ और अन्य पौधों को खाती है, जबकि भैंस भी समान प्रकार के खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करती है। हाथी वन्यजीवी होते हैं और उनका आहार मुख्यत: घास, पेड़ों की टहनियाँ और फलों पर आधारित होता है।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

16. बाघ आया उस रात

❒ **Worksheet**

1. (क) (ii) झरने के पास (ख) (iii) बाघिन
(ग) (iii) 5 (घ) (i) बाघ

2. (क) आँखें (ख) बाघ (ग) झरने (घ) रात (ङ) आगाह

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) रात को बाघ आया था।
(ख) बाघ झरने के पास रहता था।
(ग) बाघ या तो सोता था या बच्चों के साथ खेलता था।
(घ) बाघिन सारा दिन पहरा देती थी।
(ङ) बेटू ने आगाह किया, ''अब रात को बाहर होकर बाथरूम न जाना।''

5. (क) यह बात बेटू छोटू को बता रहा होगा।
छोटू बोला
''स्कूल में भी नहीं ...''
पाँच-साला बेटू ने
हमें फिर से आगाह किया
''अब रात को बाहर होकर बाथरूम न जाना!''

(ख) उस रात को गाँव में बाघ आ गया था।
हाँ, यह बात सचमुच अनूठी है क्योंकि बाघ हिंसक होते हैं और उनका वास स्थान जंगल होता है जब भी किसी वजह से वे रिहायशी इलाकों में घुस जाते हैं तो दहशत मचा देते हैं।

6. (क) **आँख लगना**—(नींद आना)—कहानी सुनते-सुनते विशाखा की आँख लग गई।
आँख दिखाना—(डराना)—माँ ने बच्चे को गलती करने पर आँख दिखाई।
आँखें मूँदना—(ध्यान न देना)—हमें गलत काम को देखकर आँखें नहीं मूँदनी चाहिए, बल्कि उन्हें रोकना चाहिए।
आँख बचाना—(चुपचाप निकलना)—उधार के रुपए लौटाने के डर से मनोज आँखें बचा कर निकल रहा था।
आँखें भर आना—(पीड़ा पहुँचना)—एक कबूतर को मरते देख मेरी आँखें भर आईं।
सिर-आँखों पर बैठाना—(बहुत इज्जत देना)—ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को लोगों ने सिर आँखों पर बिठा लिया।

(ख) सचेत किया।

(ग) **आश्चर्य**—"वो इधर से निकला उधर चला गया ऽऽ।"
डर—"अब रात को बाहर होकर बाथरूम न जाना।"
अविश्वास—"जाने कब बाघ फिर से आ जाए?"

(घ) **संज्ञा**—झरने
सर्वनाम—उस
कारक—'के' संबंध कारक

(ङ) 'बाघिन' शब्द स्त्रीलिंग और एकवचन है।

(च) **काल**—वर्तमान काल

7. (क) यह वाक्य सत्य है क्योंकि प्रत्येक जीव अपनी पीढ़ियों के प्रति एक विशेष प्रेम अनुभव करता है, जो उनको संतुलित और सुरक्षित बढ़ने में मदद करता है। यह वाक्य गहराई से मानवीय संबंधों को दर्शाता है, जिसमें माता-पिता और उनके बच्चे के बीच एक विशेष बंधन का स्पष्टीकरण होता है।

(ख) वीरता और डरना दोनों ही मानव अनुभव का हिस्सा हैं। वीरता से आत्मनिर्भरता, साहस और सामर्थ्य उत्पन्न होता है, जबकि डरना सुरक्षा और सतर्कता का एक सामाजिक पहलू है। इन भावनाओं का संतुलन जीवन में सही मात्रा में होना महत्त्वपूर्ण है।

8. (क) **हिमाचल प्रदेश**—कल रात हिमाचल प्रदेश के पपलाह गाँव में एक बाघ आ गया। जिस कारण गाँव में अफरा-तफरी मच गई। लेकिन बाघ जल्दी ही वहाँ से चला गया। वह बाघ इससे पहले भी गाँव में नदी के पास अपनी बाघिन और बच्चों के साथ देखा गया था। बाघ के गाँव में इस तरह आने से डर का माहौल बन गया है। लोग शाम होते ही अपने घर के दरवाजे बंद कर लेते हैं।

(ख) तेंदुए और बाघ का रंग कुछ अलग होता है। उनकी दौड़ने की गति में भी कुछ अंतर होता है। तेंदुआ कुछ छोटा होता है, जबकि बाघ उससे बड़ा होता है।

9. (i) कविता को अत्यधिक धारा-प्रवाह और लयात्मक बनाने के लिए आमतौर पर शब्दों के क्रम को बदल दिया जाता है।

(ii) दूसरी कविताओं में शब्दों के क्रम में आए बदलाव—
—'गुरु एक थे और था एक चेला।'
—'यह मोटी है गर्दन, इसे तुम बढ़ाओ'
—'था वह भी एक बच्चा'

❑

17. पानी रे पानी

❑ **Worksheet**

1. (क) (i) समुद्र की भाप से (ख) (ii) सूँ-सँ
(ग) (iii) शहर (घ) (iii) धरती को (ङ) (i) गर्मी में

2. (क) वर्षा (ख) मोटर (ग) अकाल (घ) तालाब (ङ) इससे

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) यदि हमने जल-चक्र का ठीक उपयोग नहीं किया तो हम पानी के चक्कर में फँसते चले जाएँगे। इसलिए जल-चक्र का ठीक उपयोग जरूरी है।

(ख) एक दौर ऐसा भी आया जब हम लोग इस छिपे खजाने का महत्त्व भूल गए और जमीन के लालच में हमने अपने तालाबों को कचरे से पाटकर, भरकर समतल बना दिया। देखते-ही-देखते इन पर तो कहीं मकान, कहीं बाजार, स्टेडियम और सिनेमा आदि खड़े हो गए। इस बड़ी गलती की सजा अब हम सबको मिल रही है।

(ग) झुग्गी बस्तियों को अभी भी औसत खपत का 30 प्रतिशत पानी ही मिल रहा है।

(घ) बरसात के मौसम में सब तरफ पानी ही बहने लगता है। हमारे-तुम्हारे घर, स्कूल, सड़कों, रेल की पटरियों पर पानी भर जाता है। देश के कई भाग बाढ़ से डूब जाते हैं। यह बाढ़ न गाँवों को छोड़ती है न मुंबई जैसे बड़े शहरों को। कुछ दिनों के लिए सब कुछ थम जाता है, सब कुछ बह जाता है।

(ङ) पानी का बेहद कम हो जाना और पानी का बेहद ज्यादा हो जाना, यानी अकाल और बाढ़ पानी के संदर्भ में एक सिक्के के दो पहलू हैं।

5. (क) मोटर लगवाने वाले को पर्याप्त पानी मिल जाता है जबकि मोटर नहीं लगवाने वाले को पानी नहीं मिल पाता है। स्पष्टत: यह उनका हक छीनने के बराबर है।

(ख) बड़ी संख्या में इमारतें बनने से खाली भूमि कम पड़ती जाती है। ढकी भूमि जल नहीं सोख पाती है जिससे धरती की गुल्लक भर नहीं पाती। इससे गर्मी में अकाल और बरसात में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

(ग) हमारे गाँव में, शहर में जो छोटे-बड़े तालाब, झील आदि हैं वे धरती की गुल्लक भरने का काम करते हैं। इनमें जमा पानी जमीन के नीचे छिपे जल के भंडार में धीरे-धीरे रिसकर, छनकर जा मिलता है।

(घ) हमारे इलाके में बाढ़ तब आई थी जब मेरा जन्म भी नहीं हुआ था। माता-पिता बताते हैं कि वह बहुत भयंकर बाढ़ थी। सारी बस्तियाँ पानी में डूब गईं थीं। हजारों लोग बेघर हो गए थे, लोग खाने खाने को मोहताज थे। छतों पर हेलिकॉप्टर से खाने के पैकेट गिराये जाते थे जो कि पर्याप्त नहीं होते थे। बच्चों और बूढ़ों की हालत काफी बदतर थी।

(ङ) हाँ, हमारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है। इस कारण हमारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है। हमें सुबह-सुबह जल्दी उठकर पानी भरना पड़ता है। जब तक पानी न आ जाए तब तक हम अन्य काम नहीं कर पाते हैं। कई बार जब पानी कुछ देरी से आता है, तो हमें बैठकर पानी का इंतजार करना पड़ता है।

(च) हाँ, हमारे मोहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है। हमारे घर में रोज पीने के लिए 20 लीटर पानी खरीदा जाता है। इस पर लगभग 500 रुपए महीने का खर्चा होता है।

(छ) पाठ में पानी के संकट के लिए प्रमुख कारण नदी-नालों तथा तालाबों को कूड़े-कचरे से भरने की बात की गई है।

6. (क) **कारक**—'की' संबंध कारक

(ख) **कारक**—'का' संबंध कारक और 'में' अधिकरण कारक

सर्वनाम—इससे

काल—वर्तमान काल

(ग) **समुच्चयबोधक शब्द**—और

(घ) **काल**—वर्तमान काल

7. (क) जल हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह सभी जीवों के लिए आवश्यक है। जल को बचाना जरूरी है ताकि हम स्वस्थता, कृषि, उद्योग और पर्यावरण की सुरक्षा कर सकें। जल संरक्षण से हम अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित पानी प्रदान कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं।

(ख) वर्षा के जल को एकत्रित करना हमारा कर्त्तव्य है क्योंकि इससे हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि जल संसाधन का सही रूप से उपयोग हो रहा है। यह हमें कृषि और उद्योगों के लिए आवश्यक पानी प्रदान करता है और पर्यावरण की सुरक्षा में मदद करता है। वर्षा के जल का सही रूप से प्रबंधन करना भविष्य के लिए सामर्थ्य और स्थायिता की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

8. (क) अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं—

1. हम आवश्यकतानुसार पानी का प्रयोग करें।
2. कभी भी नल को खुला ना छोड़ें।
3. कपड़े धोने, बर्तन धोने तथा साफ-सफाई में कम-से-कम पानी का प्रयोग करें।
4. पानी को व्यर्थ न बहाएँ।

(ख) हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं क्योंकि किसी भी वस्तु की उपलब्धता से ज्यादा प्रयोग उसकी कमी का कारण बन सकता है।

(ग) पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे इस प्रकार हो सकते हैं—

1. जल बचाओ, जीवन बचाओ।
2. जल ही जीवन है।
3. पानी की बूँद-बूँद कीमती है।
4. पानी को बेकार न बहाओ।

ये है बड़ा अनमोल इसे बचाओ।

पोस्टर—जल बचाओ, जीवन बचाओ।

9. (क) इस नारे में 'बर्बादी' शब्द के दो अर्थ हैं—पहला पानी का बर्बाद होना तथा दूसरा इसकी कमी से सबको होने वाली परेशानियाँ।

(ख) **पानी-पानी होना**—(शर्मिंदा होना)—अपना झूठ पकड़े जाने पर सोनू पानी-पानी हो गया।

आँख का पानी मरना—(बेशर्म होना)—तुम यह गलत काम कर रहे हो। क्या तुम्हारी आँख का पानी मर गया है?

पानी फिराना—(नष्ट होना)—सेबों की फसल खराब हो जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया।

मुँह में पानी आना—(लालच आ जाना)—तरह-तरह की मिठाइयों को देखकर मुँह में पानी आना स्वाभाविक है।

❑

18. जोड़ासांको वाला घर

❑ **Worksheet**

1. (क) (i) उत्तरी कलकत्ता (ख) (ii) रबि ने
(ग) (i) 2 (घ) (iii) रंगीन

2. (क) चक्करदार (ख) संगमरमर (ग) बजरी (घ) टैगोर

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i)

4. (क) उस अहाते में बड़े-बड़े मकान, घास का मैदान, बजरी का रास्ता और फूलों वाली झाड़ियाँ थी। पूरी जगह को ऊँची चारदीवारी ने घेर रखा था। उसमें दो बड़े फाटक थे जो अंधी गली में खुलते थे।

(ख) रबि के केश कुछ ज्यादा लम्बे थे।

(ग) तालाब में चाचा ने सुनहरी मछलियाँ पाल रखी थीं।

(घ) रबि को रात में देर तक पढ़ना था—अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, इतिहास और भूगोल।

5. (क) उस जमाने में बिजली की बत्तियाँ नहीं थी, यहाँ तक कि गैस की रोशनी का भी ज्यादा चलन नहीं था। लोग सूरज की रोशनी का उपयोग करते थे।

(ख) रबि लड़की जैसा दिखता था।

(ग) उत्तरी कलकत्ता की एक छोटी-सी अंधी गली में एक अजीब-सा मकान था उसमें बहुत-सी चक्करदार सीढ़ियाँ थीं जो दरवाजों वाले अनजाने कमरों तक जाती थीं और उसमें ऊँची-नीची जमीन पर अलग-थलग छज्जे और चबूतरे थे। सामने के कमरे और बरामदे बड़े-बड़े और खूबसूरत थे। उनका फर्श संगमरमर का था। लंबी खिड़कियों में रंगीन काँच लगे हुए थे।

6. (क) **संज्ञा**—कमरे और बरामदे
विशेषण—बड़े-बड़े और खूबसूरत
समुच्चयबोधक—और

(ख) **कारक**—'में' अधिकरण कारक
सर्वनाम—उसमें
समुच्चयबोधक शब्द—जो
काल—वर्तमान काल

(ग) **सर्वनाम**—उसके
संज्ञा—केश
विशेषण—लंबे
क्रियाविशेषण—ज्यादा ही

7. (क) संयुक्त परिवार हमारी संस्कृति का अनुपम उदाहरण है, क्योंकि इसमें निरंतर समरसता, समर्थन और प्रेम का वातावरण होता है जो व्यक्ति और समाज के संबंधों को मजबूत बनाए रखता है।

(ख) प्रतिभावान और परिश्रमी बालक विभिन्न क्षेत्रों में अपना प्रदर्शन करके समाज में चमकते हैं। उनका उत्साह और मेहनत उनको सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं और इससे समाज में उन्हें मान और पहचान मिलती है।

8. (क) छात्र स्वयं करें।

(ख) छात्र स्वयं करें।

❑

अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 1 से 9 तक)

1. (क) (iii) नाना के (ख) (iii) उड़ीसा

(ग) (i) 5 रुपए (घ) (ii) अब्बा

2. (क) एक (ख) खेल (ग) बाली (घ) मुन्नू (ङ) वन

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) पैदल हरकारों को हर तरह की जगहों पर पहुँचना होता था। उन्हें डाक की रक्षा भी करनी होती थी। डाकू, लुटेरों या जंगली जानवरों की चपेट में आने का डर हमेशा बना रहता था।

(ख) अपनी माँ की आवाज सुनकर कुम्मी बोली, "लगता है सबक का समय हो गया है।"

(ग) आरिफ ने आँख निकालकर भाईजान को धमकाया।

(घ) गोनू झा ने दरबार में जेब से कुछ आतिशबाजी निकालकर छोड़ी। इसी कारण महाराज की आँखें लाल-पीली हो गईं।

❑

वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

(अध्याय 10 से 18 तक)

1. (क) (ii) दादी (ख) (iii) एक माह
(ग) (i) 15 मार्च (घ) (iii) धरती को

2. (क) खाने (ख) घुरघुराते (ग) नारियल (घ) नारियल

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

4. (क) भारतीय डाक सेवा की विशेषता यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सस्ती डाक सेवा है।

(ख) चिड़ियाघर के डॉक्टरों ने घाघस को तीन दिन तक लगातार सुई लगायी।

(ग) पानी का बेहद कम हो जाना और पानी का बेहद ज्यादा हो जाना, यानी अकाल और बाढ़ पानी के संदर्भ में एक सिक्के के दो पहलू हैं।

(घ) रबि के चाचा ने सुनहरी मछलियाँ पाल रखी थीं।

❑